

21.7.23 पञ्चवली घिये डा) कपीलान्ट की नालि
जारिये रजिल्ली भेजी गई थी जिससे
भी काफी समय हो चुका है। कपीलान्ट
अनु०। कपीलान्ट व कपीलान्ट कि कौर
से ना तो पूर्व में कोई उपलब्ध
उका ना काज कोई उपलब्ध उका
बार-बार कावाज दिलारि जाके पर
कोई उपलब्ध नही। ऊ. कपील कपीलान्ट
कदम हाजरी कदम पेशकी में लारीज
की जाती है। पञ्चवली फिल शुमार होवे।
नम्बर से कम होकर दारिकल दूर है।

